हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, शनिवार 6 जून 2026

तापमान
अधिकतम 30.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

12 आज पौधा लगेगा तभी आगामी पीढ़ी का भविष्य...

12 गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं: रोहित...

आवश्यकता है
सपना ट्रेक्टर्स (Solis tractor) राजिम में 10 पद सेल्समैन एवं 4 मैकेनिक की तुरंत आवश्यकता है।
न्यूनतम वेतन 8000 से योग्यतानुसार अधिक दिया जायेगा।
पेट्रोलिंग + प्रति ट्रैक्टर्स नुसार इंसेन्टिव अलग दिया जायेगा।
संपर्क : सपना ट्रैक्टर्स (Solis Tractor) फिंगेश्वर रोड राजिम
मो. 98271-12190, 9009371657, 7067000736

दुर्लभ दृश्य : नन्हे पक्षियों ने विशाल शिकारी ईगल को खदेड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के अंतर्गत दक्षिण उदंती परिक्षेत्र से वन्यजीवों की दुनिया का एक बेहद रोमांचक, दुर्लभ और प्रेरणादायक दृश्य सामने आया है। यहां घने जंगल में दो नन्हे पक्षियों ने अपने घोंसलों, अंडों और नवजात बच्चों की सुरक्षा के लिए आकार में कई गुना बड़े शिकारी पक्षी क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल से न सिर्फ लोहा लिया, बल्कि उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। वन विभाग के मैदानी स्टाफ से मिली जानकारी के अनुसार, जब जंगल में शिकार की तलाश में घूम रहा यह विशालकाय ईगल छोटे पक्षियों के घोंसलों के बिल्कुल करीब पहुंच गया, तब दोनों छोटे पक्षी अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अचानक आक्रामक हो गए।

उन्होंने बिना डरे बार-बार हवा में गोता लगाते हुए शिकारी ईगल के सिर और पीठ पर अपनी नुकीली चोंच से ताबड़तोड़ प्रहार किए। कुछ समय तक नन्हे पक्षियों के इस अप्रत्याशित और लगातार हमलों को झेलने के बाद, शक्तिशाली शिकारी पक्षी असहज हो गया और अंततः उसे वह इलाका छोड़कर भागना पड़ा।

उदंती परिक्षेत्र के बीट गार्ड टेकेश्वर ने कैमरे में कैद किया अद्भुत नजारा

वन्यजीव विज्ञान की भाषा में इसे कहते हैं मॉबिंग

वन्यजीव विशेषज्ञ पक्षियों के इस अनूठे व्यवहार को 'मॉबिंग' कहते हैं। यह एवियन वर्ल्ड (पक्षियों की दुनिया) की एक विशेष रक्षात्मक और सामरिक रणनीति है। इसमें आकार में बेहद छोटे और कमजोर पक्षी किसी बड़े शिकारी (जैसे बाज, उल्लू या सांप) को सामूहिक रूप से परेशान, भ्रमित और ललकार कर अपने क्षेत्र तथा संतानों की रक्षा करते हैं। इस दौरान ये छोटे पक्षी न केवल तीखी चेतावनी भरी आवाजें निकालते हैं, बल्कि मौका पाकर शिकारी पर सीधे फिजिकल अटैक भी करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह घटना प्रकृति में साहस, सामूहिकता और 'सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट' (जीवित रहने की अद्भुत रणनीति) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। छोटे पक्षी भली-भांति जानते हैं कि वे अकेले या सीधे तौर पर शिकारी का मुकाबला नहीं कर सकते, इसलिए वे लगातार चोंच मारकर और सामूहिक शोर मचाकर शिकारी को मानसिक रूप से थका देते हैं।

बीट गार्ड के कैमरे में कैद हुआ

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के दक्षिण उदंती परिक्षेत्र में पदस्थ सजग बीट गार्ड टेकेश्वर देवांगन द्वारा इस पूरी दुर्लभ घटना का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड किया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस पर सामने आया यह दृश्य अंचल के वन्यजीव प्रेमियों, रिसर्चर्स और प्रकृति संरक्षण से जुड़े लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स इस वीडियो को जंगलों में पक्षियों के व्यवहारिक अध्ययन और उनके हैबिटाट संरक्षण को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज मान रहे हैं। यह हैरतअंगेज नजारा जैव विविधता से समृद्ध उदंती के जंगलों की जीवंतता को दर्शाता है और यह संदेश देता है कि प्रकृति में 'साहस केवल शारीरिक आकार पर निर्भर नहीं करता।

खबर संक्षेप

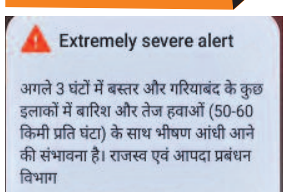

मोबाइल पर इमरजेंसी अलर्ट आंधी और बारिश की चेतावनी

कोपरा। शुक्रवार शाम क्षेत्र के लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक तेज आवाज के साथ आपदा चेतावनी संदेश आने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कई लोगों के मोबाइल एक साथ बजने लगे, जिससे लोग हैरान और घबरा गए। जिओ सहित विभिन्न मोबाइल नेटवर्क पर प्राप्त अलर्ट संदेश में अगले तीन घंटे के भीतर तेज आंधी, तूफान एवं बारिश होने की संभावना जताई गई थी। संदेश में लोगों से सतर्क रहने, सुरक्षित स्थानों पर रहने तथा अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी गई। अचानक आए इस अलर्ट को देखकर कई लोगों ने एक-दूसरे से संपर्क कर जानकारी ली। कुछ लोगों ने इसे तकनीकी गड़बड़ी समझा, लेकिन बाद में पता चला कि यह मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी की गई पूर्व चेतावनी थी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें तथा खराब मौसम के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहें। मौसम विभाग द्वारा जारी इस अलर्ट का उद्देश्य संभावित प्राकृतिक आपदा से लोगों को पहले से सतर्क करना है।

श्री गोपाल गौशाला में भागवत कथा कल से

नवापारा-राजिम। श्री गोपाल गौशाला में 7 जून रविवार को गौ भागवत कथा होने जा रहा है। मालूम हो कि यह गौशाला सवा सौ साल पुराना हैं। यह जानकारी देते हुए गौशाला समिति के अध्यक्ष गिरधारी अग्रवाल ने बताया कि पिछले महीने छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल का गौशाला आगमन हुआ था। उनसे ही प्रेरणा मिली कि गौशाला में गौ कथा हो ताकि नगर व आसपास के अंचल के लोग गऊ माता की महिमा से अवगत हों ताकि गौ सेवा से जुड़े, इसी भाव से यह गौ कथा होने जा रही है। बताया कि इस तीन दिवसीय गौ कथा के मुख्य यजमान पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू होंगे।

विश्व साइकिल दिवस पर 7 जून को संडे ऑन साइकिल अभियान

गरियाबंद। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 7 जून 2026 को जिले में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साइकिल रैली का आयोजन प्रातः 7:00 बजे से जिला मुख्यालय के गांधी मैदान से प्रारंभ होकर शारदा चौंक से गौरवपथ भूतेश्वर नाथ रोड में लगभग 01 कि.मी. तक आगे जाकर राइजिंग स्टार इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास गौरवपथ रोड के अंतिम बिन्दु से मुड़कर वापस गांधी मैदान गरियाबंद में समापन किया जाएगा। यह आयोजन भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत किया जा रहा है, जिससे नागरिकों में फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हो।

धमतरी की खदानों से गुजरने वाले भारी वाहनों से रोज लग रहा था जाम

रेत गाड़ियों के लिए पालिका लगाएगी बैरियर सुबह 6 से रात्रि 10:30 बजे तक रहेगा प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नगर के बीच से गुजरने वाली रेत भरी हाईवा गाड़ियों पर अब सख्ती बरती जाएगी। शुक्रवार को पालिका की सामान्य सभा की बैठक में बैरियर लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ है। मालूम हो कि शहर के मुख्य और घने बाजार मार्गों से लगातार गुजर रही रेत से भरी हाईवा गाड़ियों को लेकर आखिरकार नगर पालिका परिषद ने कड़ा रुख अपनाया है।

लंबे समय से इन भारी वाहनों के कारण शहरवासियों में आक्रोश व्याप्त था। आए दिन दुर्घटना की आशंका, धूल-गर्दा और यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों दलों के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर विरोध जताया और कार्रवाई की मांग की थी। एक सप्ताह पहले नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, सिंटू सौरभ जैन ने शहर के भीतर से गुजर रही रेत भरी हाईवा गाड़ियों को रोककर माइनिंग विभाग और थाना प्रशासन से कार्रवाई करवाई थी। इसके कुछ दिनों बाद जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सौरभ शर्मा और कांग्रेस नेता राजा चावला ने भी सड़क पर उतरकर इन गाड़ियों को रोका और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। बावजूद इसके रेत कारोबारियों और वाहन चालकों पर इसका कोई विशेष असर दिखाई नहीं दिया तथा लगातार रेत भरी गाड़ियां शहर के मुख्य बाजार मार्गों से गुजरती रहीं। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद नवापारा में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति सहित कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के सभी पार्षदों ने एकमत होकर शहर की सुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

नियम तोड़ा तो होगी सीधी दंडात्मक कार्रवाई

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि शहर के प्रमुख मार्गों पर बैरियर लगाए जाएंगे, ताकि रेत भरी हाईवा गाड़ियों की आवाजाही नियंत्रित की जा सके। निर्णय के अनुसार अब सुबह 6 बजे से रात 10:30 बजे तक रेत से भरी भारी वाहन शहर के बीचों-बीच से होकर नहीं गुजर पाएंगे। नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस नियम को कड़ाई से लागू करने की तैयारी की जा रही है। परिषद का कहना है कि यदि कोई वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पालिका के इस फैसले से शहरवासियों ने राहत की उम्मीद जताई है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से भारी वाहनों के कारण बाजार क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था और आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। अब बैरियर लगने और समय सीमा तय होने से शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी तथा आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

अन्य व्यावसायिक वाहनों को छूट, रेत गाड़ियों पर रहेगा प्रतिबंध

पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने सामान्य सभा की बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी सहित सभी पक्ष विपक्ष के पार्षद एवं अधिकारी मौजूद रहे। सर्व सम्मति से प्रतिबंधित समय मे चलने वाली रेत हाइवा को रोकने के लिए सोमवारी बाजार के पास बौरियर लगाने का निर्णय लिया गया। बताया कि धमतरी जिले की रेत खदानों से सैकड़ो रेत हाइवा नगर के मुख्यमार्ग से गुजरती है जिसके कारण पूर्व में कई दुघर्टनाएं हो चुकी हैं। पूर्व में भी नागरिकों की मांग पर ऐसा ही निर्णय लिया गया था और शहर के मुख्य मार्ग पर बोर्ड लगाकर सूचित भी किया था। लेकिन रेत हाइवा का चलना बंद नही हो रहा था। बार-बार नगरवासियों की ओर से दिन में कड़ाई से प्रतिबंधित करने की मांग को ध्यान में रखते हुए परिषद द्वारा बैरियर लगाकर सिर्फ रेत हाइवा को रोकने का निर्णय लिया गया हैं। अन्य व्यवसायिक वाहनों के आने जाने पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं किया जाएगा।

फेसबुक की सिरफिरा आईडी की जांच को लेकर कलेक्टर को कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

मैनपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन तिहार के तहत मैनपुर के गौरघाट में शिविर का आयोजन किया गया था आज उस समय हड़कंप मच गई जब ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैनपुर अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव के नेतृत्व में बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता सीधे मंच पर पहुंचे और गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके को ज्ञापन सौपकर सोशल मिडिया फेसबुक सिरफिरा नामक आईडी की जॉच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग करने लगे। गरियाबंद कलेक्टर ने मामले से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराकर जल्द कार्यवाही करवाने का आश्वासन दिया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव एवं कांग्रेस नेताओ कार्यकर्ताओ ने बताया की सोशल मिडिया फेसबुक सिरफिरा नामक आईडी बनाकर क्षेत्र के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के साथ सभी राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता एवं वरिष्ठजनों के बारे मे पिछले कई वर्षों से अभ्रद टिप्पणी और अनाप सनाप शब्दो का उल्लेख कर वरिष्ठ लोगों की छबी धुमिल करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है और लगभग 06 माह पहले इस सिरफिर नामक आईडी मे फोटो के साथ छेड़छाड़ कर नग्न तस्वीर डालकर अनाप सनाप लिखा गया और तो और जिले के आला अफसरो के साथ ही जनता के द्वारा चुने गए बड़े-बड़े जनप्रतिनिधियो के खिलाफ भी लगातार उनके छबी को धुमिल करने पोस्ट किया जाता रहा है। इस मौके पर प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोहन नागेश, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष दुलेन्द्र नेगी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष पारेश्वर नेगी, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शाहिद मेमन, महामंत्री निहाल नेताम, जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव, तनवीर राजपूत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सामंत शर्मा, कमार समाज के नेता पिलेश्वर सोरी, लोकेश सांडे, देव ध्रुव एवं बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता व क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

पुलिस लाइन में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गरियाबंद पुलिस ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पुलिस लाइन परिसर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जिला पुलिस बल के अधिकारियों और जवानों ने छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम की शुरुआत साप्ताहिक जनरल परेड से हुई। पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। इसके बाद विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान जिला पुलिस के सभी राजपत्रित अधिकारी, रक्षित निरीक्षक तथा पुलिस लाइन के जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पुलिस लाइन परिसर के विभिन्न स्थानों पर आम, जामुन, अमरूद सहित कई फलदार पौधों तथा छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस अभियान ने पुलिस विभाग की सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

सेम्हरा, सेंदबाहारा और छतरपुर में चलाया विशेष जनसंपर्क अभियान

रसेला। शासन-प्रशासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से गरियाबंद पुलिस लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देशन पर थाना छुरा पुलिस द्वारा ग्राम पंचायत सेम्हरा तथा उसके आश्रित ग्राम सेंदबाहारा और छतरपुर में विशेष जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में थाना प्रभारी टीकाराम ध्रुव, बीट क्रमांक-07 के बीट प्रभारी प्रधान आरक्षक जय प्रकाश मिश्रा एवं महिला आरक्षक सहित पुलिस टीम ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान गांव के बेरोजगार युवक-युवतियों की जानकारी एकत्रित की गई।

पौधा रोपण को दिखावा नहीं महायज्ञ और पूजा समझकर करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

विश्व पर्यावरण दिवस पूरे विश्व में 5 जून को मनाया गया। आपने इसके बारे में सुना होगा लेकिन सभी लोग नहीं जानते है कि पर्यावरण दिवस क्यों मनाया जाता है। दरअसल पर्यावरण दिवस, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और राजनीतिक चेतना जागृत करने के लिए मनाया जाता है जिससे आम जनता को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा सके। भाजपा मंडल मलेवा अंचल ने विश्व पर्यावरण दिवस पर विधिवत पूजा अर्चना कर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर जयसवाल, महामंत्री नारायण सिन्हा, वरिष्ठ कार्यकर्ता धनेशराम ठाकुर, उपाध्यक्ष टंकेश्वर सोरी ने पर्यावरण दिवस के बारे में कहा कि बड़े पैमाने पर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन, जंगलों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग से बचाव और भविष्य में आने वाले खतरों से निपटने की इच्छा से पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। हर साल पर्यावरण दिवस के लिए एक नया विषय और एक नई थीम चुनी जाती है। इस वर्ष का थीम स्वच्छता था। 19 नवंबर 1986 को लागू हुए पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जल, वायु, भूमि तथा इनसे कारक जैसे मानव, पौधों, सूक्ष्म जीव, अन्य जीवित पदार्थ आते हैं। पर्यावरण के बारे में सांझ करते हुए भूवेन्द्र मरकाम, रोहित जगत, नारायण सिंह ठाकुर, कृष्णा गुप्ता, झवर अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को हरित पर्यावरण के महत्व को समझाना और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को याद दिलाना है।

सड़क, सिंचाई और स्वास्थ्य को लेकर जिले को मिल सकती हैं सौगातें

मुख्यमंत्री का गरियाबंद दौरा आज, समीक्षा बैठक में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान सुशासन तिहार 2026 के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 6 जून को गरियाबंद जिले में आगमन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है और आमजन सहित जनप्रतिनिधियों की निगाहें इस दौरे पर टिकी हुई हैं। प्रदेशभर में 1 मई से 10 जून तक चल रहे सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री लगातार विभिन्न जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

इस अभियान का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, लोगों की समस्याओं को मौके पर सुनना तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत का आकलन करना है। गरियाबंद जिले में मुख्यमंत्री के आगमन को सुशासन तिहार के महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से जिले के लोग मुख्यमंत्री के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे। अब जब उनका दौरा तय हो गया है, तो लोगों में विकास कार्यों और नई घोषणाओं को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री अपने प्रवास के दौरान संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा किए जाने की संभावना है। इसके बाद मुख्यमंत्री पत्रकारों से भी चर्चा करेंगे और सुशासन तिहार के अनुभवों तथा प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं को साझा करेंगे।

विकास की नई गति-बड़ी घोषणाओं की आस

गरियाबंद जिले के नागरिकों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री का यह दौरा जिले के विकास को नई गति देगा। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, पेयजल और शहरी सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। विशेष रूप से अधोसंरचना विकास और जनसुविधाओं के विस्तार को लेकर लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी हुई हैं। सुशासन तिहार के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री का गरियाबंद दौरा न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि इसे जनता और सरकार के बीच विश्वास और संवाद को मजबूत करने वाला कदम भी माना जा रहा है। अब जिले की जनता की निगाहें मुख्यमंत्री के दौरे और संभावित सौगातों पर टिकी हुई हैं।

एनएसएस के तत्वधान में वृहद् पौधारोपण

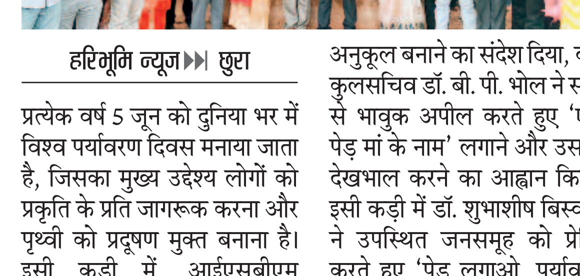

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

प्रत्येक वर्ष 5 जून को दुनिया भर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाना है। इसी कड़ी में, आईएसबीएम यूनिवर्सिटी परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर कुलपति डॉ. आनंद महलवार ने पर्यावरण की रक्षा को हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी बताते हुए जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाने का संदेश दिया, वहीं कुलसचिव डॉ. बी. पी. भोल ने सभी से भावुक अपील करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। इसी कड़ी में डॉ. शुभाशीष बिस्वास ने उपस्थित जनसमूह को प्रेरित करते हुए 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण संरक्षित करो' का मूल मंत्र दिया और वृक्षारोपण को एक जन आंदोलन बनाने की बात कही, जिसके पश्चात परिसर में वृहद स्तर पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सामूहिक शपथ भी ली गई।

खबर संक्षेप

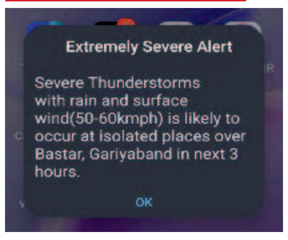

तेज बीप के साथ हजारों मोबाइलों पर चमका लाल रंग का इमरजेंसी अलर्ट

गरियाबंद। शुक्रवार की शाम गरियाबंद जिले में उस समय अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब हजारों लोगों के मोबाइल फोन एक साथ तेज चेतावनी ध्वनि के साथ बज उठे। मोबाइल स्क्रीन पर लाल रंग में चमक रहे अत्यंत गंभीर चेतावनी संदेश को देखकर लोग कुछ पल के लिए घबरा गए और समझ नहीं पाए कि आखिर यह अलर्ट किस कारण आया है। देखते ही देखते लोगों ने एक-दूसरे को फोन कर जानकारी लेना शुरू कर दिया वहीं सोशल मीडिया पर भी इस चेतावनी संदेश को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। बाद में पूरा संदेश पढ़ने पर स्थिति स्पष्ट हुई। मौसम विभाग की ओर से जारी इस इमरजेंसी अलर्ट में अगले तीन घंटों के भीतर गरियाबंद और बस्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में तेज आंधी-तूफान बारिश तथा 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई थी। लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह भी दी गई। रअसल भारत सरकार के सेल ब्रॉडकास्ट इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं खराब मौसम और अन्य आपात परिस्थितियों की जानकारी सीधे मोबाइल उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जाती है।

तुकाराम कंसारी शब्द शिखर सम्मान से सम्मानित

नवापारा-राजिम। प्रदेश की अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा राजधानी के वृन्दावन सभागृह में /"काव्य महाकुंभ/" का आयोजन संपन्न हुआ इस अवसर पर प्रदेश भर से चयनित 151 रचनाकारों को /"शब्द शिखर सम्मान से विभूषित किया गया आयोजन के मुख्य अतिथि चिकित्सक व साहित्यकार डॉ गीतेश अमरोहित थे ' अध्यक्षता डॉ संयुक्ता गांधी ने की छत्तीसगढ़ सन्निर्माण मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार धर द्विवेदी एवं पंडित पी के तिवारी, वरिष्ठ साहित्यकार सीमा पांडेय, लोकभवन में उपसचिव डॉ रूपेंद्र कवि तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अजीत मिश्रा विशिष्ट अतिथि की आसंदी को सुशोभित कर रहे थे ' आयोजन के दौरान जांजगीर चांपा के लेखक उमेश कुमार श्रीवास की दो पुस्तकों पांच आगर एक कोरी तथा काव्य प्रत्यूषा एवं रायपुर के डॉ. लुनेश कुमार वर्मा की पुस्तक मां की रोटी का विमोचन हुआ ' आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने कहा कि आज प्रदेश के गांव-गांव तक रचना कर्म जारी है' वक्ता मंच विगत 34 वर्षों से निरंतर कलमकारों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करते आ रहा है ' आज के आयोजन में नवोदित व प्रतिष्ठित दोनों धाराओं के रचनाकारों का सम्मान हो रहा है ' आज 151 चयनित साहित्यकारों को उनकी सृजनशीलता,रचनाधर्मिता, मूल्य चेतना एवं नैतिक मूल्यों हेतु सम्मानित किया जा रहा है

प्रदेशभर में 7 को होगा महा पौधारोपण अभियान

राजिम। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू की अध्यक्षता में प्रदेशभर में 7 जून को व्यापक वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने समाज की समस्त इकाईयों, परिक्षेत्रों, जिला समाजों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया है। डॉ. नीरेन्द्र साहू ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन और जल संकट मानव जीवन के समक्ष गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

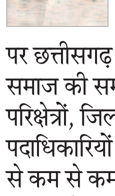

पौधारोपण कार्यक्रम : हर्बल गार्डन में औषधीय पौधों का रोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुड़ागांव (कोरासी)

विश्व पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के संवर्धन के उद्देश्य से आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शासकीय आयुर्वेद औषधालय अकलवारा, विकासखंड छुरा, जिला गरियाबंद में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं नवनीकृत हर्बल गार्डन में औषधीय पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सरपंच श्री गोवर्धन दीवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में औषधालय प्रभारी डॉ. ऐश्वर्य साहू, सचिव घनश्याम यादव, जगदीश साहू सोरीद, अवधराम, बली यादव, धर्मराज साहू (शिक्षक), दुर्गा सेन (सीएचओ), महेश्वर सिदार (आरएचओ), सुश्री मनीषा ध्रुव (एएनएम), नितन साहू (मितानिन प्रतिनिधि), फिरतूराम, सुश्री रोशनी सेन (योग सहायक), रूपसिंह नेताम (फार्मासिस्ट) एवं संतोष यादव (पीटीएस) सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवनीकृत हर्बल गार्डन में अश्वगंधा, शतावरी, रुद्राक्ष, जंगली प्याज, चित्रक, नीम, गिलोय एवं गुड़मार सहित विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं औषधीय पौधों के महत्व पर चर्चा की गई। औषधालय प्रभारी डॉ. ऐश्वर्य साहू ने बताया कि शासकीय आयुर्वेद औषधालय अकलवारा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता, औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण तथा उनके संरक्षण हेतु नियमित रूप से गतिविधियां संचालित की जाती हैं। साथ ही औषधालय परिसर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन एवं जल संरेक्षण संबंधी कार्य भी किए जा रहे हैं।

कुंडेल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया सामूहिक पौधारोपण

छुईहा बेलर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम कुंडेल में सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं मातृत्व सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन राज्यपाल पुरूष्कृत शिक्षक खोमन सिन्हा ने की, इसे और गति प्रदान करने सहयोगी में सरपंच गजाधर सिन्हा, पंच रमेश सिन्हा, यादराम सिन्हा, समाजसेवी खिलेश्वर सिन्हा, सेवक पटैल बंधु दिवान सहित ग्राम के गणमान्य नागरिकों एवं बच्चों ने सहभागिता की। सभी ने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। खोमन सिन्हा ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के प्राण हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने हेतु वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है।

ग्राम सभा : शादियों और बड़े आयोजनों के लिए पंचायत को देनी होगी पूर्व सूचना

खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर लगेगा जुर्माना, देना होगा यूजर चार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

क्षेत्र के ग्राम लोहरसी मे शुक्रवार को ग्राम सभा आयोजित की गयी थी जहाँ स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम-2026 को ग्राम पंचायतों में प्रभावी रूप से लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। नए नियमों के तहत अब ग्राम पंचायतों, नागरिकों और बड़े कचरा उत्पादकों की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं तथा नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है। नियमों के अनुसार प्रत्येक परिवार को घर से निकलने वाले कचरे को गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष घरेलू कचरे की श्रेणियों में अलग-अलग रखना होगा। पंचायतों को कचरा संग्रहण, पृथक्करण एवं प्रसंस्करण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। गांवों में खुले में कचरा फेंकने, जलाने अथवा जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

ग्राम पंचायतों को अपने स्तर पर कचरा संग्रहण केंद्र, सुरक्षित भंडारण व्यवस्था और एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) विकसित करनी होगी। कचरे का परिवहन केवल अधिकृत वाहनों से किया जाएगा तथा पंचायतों को नियमित रूप से कचरा प्रबंधन की प्रगति रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजनी होगी। नियमों के तहत नागरिकों को निर्धारित उपयोगिता शुल्क (यूजर फीस) का भुगतान करना अनिवार्य होगा। वहीं गांवों में 100 से अधिक लोगों के सार्वजनिक कार्यक्रम, विवाह या सामाजिक आयोजनों की स्थिति में आयोजकों को पंचायत को पूर्व सूचना देकर कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

शादी-ब्याह और होटलों के लिए कड़े नियम

प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक ठोस कचरा उत्पन्न करने वाले होटल, मैरिज गार्डन, बाजार और अन्य संस्थानों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे संस्थानों को अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था करनी होगी अथवा निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीयन कराना होगा। नियमों के पालन को लेकर तीन स्तरीय प्रवर्तन व्यवस्था बनाई गई है। पहली बार उल्लंघन करने वालों पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा, बार-बार नियम तोड़ने वालों पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी, जबकि गंभीर लापरवाही की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी। मोबाइल कोर्ट और स्पॉट फाइन की व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ने ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे कचरे का पृथक्करण करें, खुले में कचरा न फेंकें और न ही जलाएं। स्वच्छ एवं स्वस्थ गांव के निर्माण में सभी की सहभागिता ही इन नियमों की सफलता का आधार बनेगी।

नाली निर्माण ठप होने और चोरी पर बरसे ग्रामीण

ग्राम सभा में स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के अलावा गांव की विभिन्न जनसमस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में अगले सप्ताह से ट्रायसिकल एवं डस्टबिन वितरण कार्य प्रारंभ करने की जानकारी दी गई। मुक्तिधाम से लोहे की रॉड चोरी होने के मामले में अब तक कोई सुराग नहीं मिलने पर चिंता व्यक्त की गई, जिस पर सरपंच ने आवश्यक व्यवस्था करने की बात कही। जयंतराम साहू ने एक वर्ष पूर्व मकान तोड़े जाने के मामले का अब तक निराकरण नहीं होने पर गुहार लगाई, जबकि पंचायत द्वारा संबंधित पक्ष को तीन नोटिस जारी किए जाने की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने गांव की गलियों में नालियों पर जमा कचरे और मिट्टी की समस्या उठाई। जिला पंचायत मद से स्वीकृत पांच लाख रुपये की नाली निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर भी नाराजगी जताई गई, विशेषकर तीरथ पटेल के घर से मुख्य मार्ग तक प्रस्तावित नाली निर्माण को लेकर। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अपूर्ण शौचालय निर्माण तथा बुधवनतिन बाई सतनामी के भूमिहीन श्रेणी में पात्र होने के बाद अपात्र किए जाने के मामले पर भी चर्चा हुई और शीघ्र निराकरण की मांग उठाई गई। इस दौरान इंद्रजीत महाडिक जिला पंचायत सदस्य, लोमस साहू सरपंच, निलेश टंडन उपसरपंच, लोकेश निर्मलकर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ओमप्रकाश सिन्हा सचिव, पंच जागेश्वर साहू, भगवान दास, तुलेश ढीढ़ी, वरिष्ठ नागरिक हरख साहू, बंशीलाल साहू, दुखु यादव, लालू यादव, पुनू साहू, बसंत साहू, गोवर्धन पटेल, तीरथ पटेल, मोहन निर्मलकर, कोमल ठाकुर, नूतन साहू लिखन साहू, यशवंत साहू, जितेन्द्र यादव, कोमल साहू, जयंत राम साहू, महिला पंच, हेमलता निषाद, केशो साहू, कमला यादव, डेलेश्वरी साहू, खेमिन पटेल, चुम्मन यादव पंचायत भृत्य शामिल थे।

पटेल संघ की बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती पर रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

ग्राम पटेल संघ की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय विश्राम गृह छूरा में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, उसके विस्तार तथा विकासखंड के सभी ग्रामों में संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। ग्राम पटेल संघ के अध्यक्ष लोकराम यादव ने बताया कि संगठन के विस्तार, विभिन्न ग्रामों के बीच समन्वय स्थापित करने तथा ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि ग्राम पटेल ग्रामीण समाज की परंपराओं, सामाजिक समरसता और विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में संगठन को और अधिक सशक्त बनाकर प्रत्येक ग्राम तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में विकासखंड के विभिन्न ग्रामों से आए ग्राम पटेलों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, सामाजिक गतिविधियों एवं संगठन को मजबूत बनाने संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए।

साथ ही आगामी समय में संगठनात्मक कार्यक्रमों को ग्राम स्तर तक पहुंचाने तथा ग्रामीण हितों से जुड़े विषयों पर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम पटेल आनंद राम गायडबरी, पवन साहू (बम्हनी), कृष्ण दीवान (देवसरा), बिसाहू राम नेताम (लादाबाहरा), शिशुपाल यादव (बोड़राबांधा), वैष्णव साहू (साजापाली), राम खिलावन सिन्हा (सोरीद), जनक राम ध्रुव (अमलोर), शुक्लाचरण (अकलवारा), महेंद्र राम ध्रुव (द्वारतरा) सहित विकासखंड छुरा के अनेक ग्राम पटेल उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने रोपे आम के पौधे

नवापारा-राजिम। वरिष्ठ भाजपा नेता परदेशी राम साहू एवं मुकुंद मेश्राम ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर आम के पौधे रोपे और लोगों को अधिक से अधिक पौधा रोपने का संदेश दिया।

खुटेरी और खुड़ियाडिही में रोपे गए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत खुटेरी और उसके आश्रित ग्राम खुड़ियाडिही ग्रामिणो ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष उत्सव मनाया गया। इस उत्सव में सरपंच बेनी शंकर साहू, पंचायत सचिव नुतन साहू व पंचगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सरपंच ने पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद वहां उपस्थित ग्रामीण जनों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम पर फलदार एक एक पौधा रोपण कर रक्षा करने के लिए संकल्प लिए । सरपंच ने कहा कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्प को सभी पूरा करें। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से प्रकृति और मानव जीवन खतरे में है। इसे देखते हुए हम सब पौधे लगाएं और उन्हें पेड़ बनने तक संरक्षण दें। पर्यावरण से हम जीवित हैं। अगर पर्यावरण नहीं होगा तो हम भी नहीं होंगे। वृक्षारोपण बहुत अधिक आवश्यक है ग्लोबल वार्मिंग जैसे खतरों से बचने के लिए हमारे लिए आवश्यक है ।इस मौके पर सरपंच बेनीशंकर, सचिव नूतन साहू,उपसरपंच ढालचंद, प्रहलाद, चितरंजन, गयाराम, पूर्णानंद,हुमेशवर, हेमन्त, गिरवर ,यशवंत, शंकर,मयाराम, लछमी, अपूर्णना, टिकेशवरी, सुनीता, ज्योति, लिक्की, ममता, कली विश्वकर्मा, लोकनाथ, टीकू राम, नरेश, दीपक, उपस्थित थे।

केंद्र सरकार गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें : पुष्पा साहू

राजिम। जनपद के पूर्व अध्यक्ष पुष्पा-जगन्नाथ साहू ने देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किए जाने की मांग को लेकर केंद्र सरकार से पहल करने की अपील किया है। कहा कि गाय भारतीय संस्कृति परंपरा आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। देश के करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं गाय से जुड़ी हुई है इसीलिए इसे राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाना चाहिए। गाय केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है बल्कि किसानों और ग्रामीण जीवन की आर्थिक व्यवस्था में भी गहराई से जुड़ी है। दुग्ध उत्पादन जैविक खेती और पशुपालन के क्षेत्र में गाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए केंद्र सरकार को ठोस में प्रभावशाली नीति बनाना चाहिए। समाज में हर वर्ग के लोग इस मांग का समर्थन कर रहे हैं।

पीएम आवास योजना की रफ्तार तेज, स्वीकृत 10,435 में से 8,015 मकान बनकर तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत मॉनिटरिंग के फलस्वरूप फिंगेश्वर विकासखंड में आवास निर्माण कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है।विकासखंड में स्वीकृत कुल 10,435 आवासों में से अब तक 8,015 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, जो कुल लक्ष्य का लगभग 77 प्रतिशत है। जनपद पंचायत फिंगेश्वर के मुख्यकार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन तथा जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों, ग्राम पंचायतों की सतत निगरानी एवं मैदानी अमले के समन्वित प्रयासों से आवास निर्माण कार्य में उल्लेखनीय गति आई है। हितग्राहियों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं किश्तों का भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है,जिससे निर्माण कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।विकासखंड की अनेक ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा शेष आवासों को भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पंचायत सचिवों,रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रें को नियमित रूप से प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है।फिंगेश्वर विकासखंड इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और शेष आवासों को भी शीघ्र पूर्ण करने हेतु सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।उन्होंने सभी हितग्राहियों से अपील की है कि वे निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण कर योजना का लाभ प्राप्त करें तथा अपने सपनों के पक्के घर का निर्माण सुनिश्चित करें।

व्यायाम शाला परिसर में मनाया गया पर्यावरण दिवस, नए पौधे भी रोपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मिनी स्टेडियम के समीप स्थित व्यायामशाला परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, योग साधकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पूर्व वर्षों में लगाए गए वृक्षों की विशेष रूप से पूजा-अर्चना कर उन्हें रक्षा सूत्र बांधा गया तथा उनकी प्रतीकात्मक सालगिरह मनाई गई। वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया और यह संदेश दिया गया कि जिस प्रकार परिवार के सदस्यों की देखभाल की जाती है, उसी प्रकार वृक्षों की सुरक्षा एवं संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी शीतल ध्रुव ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। इस अवसर पर योगाचार्य मिथलेश सिन्हा ने कहा कि वृक्ष हमें प्राणवायु, शुद्ध वातावरण, छाया, फल, औषधि एवं वर्षा के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं, इसलिए वृक्षों का संरक्षण मानव जीवन की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने, समय-समय पर सिंचाई करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन वृक्षों के संरक्षण एवं स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक चंद्रभूषण निषाद, विमल पुरोहित, सौरभ शारडा, शिक्षिका राजेश्वरी ठाकुर, फिजियो थेरेपिस्ट देवश्री ध्रुव, जिज्ञासा निर्मलकर, यशिका ध्रुव, सुजाता, प्रकाश निर्मलकर, डॉ. तेजस्वी सागर, देवकुमार निषाद, धनंजय ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर एवं युवा खिलाड़ी गण उपस्थित थे।

सीआरपीएफ ने थनौद में आम-नीम के पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 211वीं बटालियन द्वारा कमांडेंट विजय प्रताप के मार्गदर्शन में वाहिनी परिसर थनौद में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) विजय शंकर पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डीआईजी विजय शंकर पाण्डेय ने जवानों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा दैनिक जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है और वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, शुद्ध वायु प्रदान करने तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने का प्रभावी माध्यम है। कमांडेंट विजय प्रताप ने भी जवानों को प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोककर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर वाहिनी परिसर में आम, नीम, जामुन, अमरूद और आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के कुल 293 पौधों का रोपण किया गया। अधिकारियों एवं जवानों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी भी निभाने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

जानकी पटेल ने कराया बच्चों को न्योता भोज

राजिम। नगर पालिका राजिम के वार्ड क्रमांक 03 सरदार वल्लभ भाई पटेल पारा में स्थित आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए पार्षद जानकी पटेल द्वारा नेवता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व समाज के जिला अध्यक्ष एवं सेजेस आत्मानंद स्कूल के सांसद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शांति यादव, अहिल्या यादव, ममता यादव, सीमा गुप्ता, लक्ष्मी शर्मा ममता नागरची, दुखनी नागरची, छोटे-छोटे बच्चे व उनके पालक गण उपस्थित हुए। सर्व प्रथम पार्षद जानकी पटेल और सोमनाथ पटेल ने बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत कर खाना खिलवाया। उक्त अवसर पर सर्व समाज के जिला अध्यक्ष एवं सेजेस आत्मानंद स्कूल के सांसद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल ने छोटे छोटे बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमारी सरकार के प्रयास से छोटे छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से हो रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों में पौष्टिक आहार बच्चों को स्वास्थ्य के लाभ प्रद है।उन्होंने कहा कि हमारे वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्र बहुत ही अच्छा है, यहां प्रतिदिन बच्चे आते है। यहां पढ़ाई के साथ -साथ अच्छा भोजन भी बच्चों को मिलता है।

कसेकेरा में पर्यावरण दिवस पर रोपे गए फलदार पौधे

मुड़ागांव (कोरासी)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को छुरा विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश देते हुए विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में ग्राम कसेकेरा निवासी गैदलाल पटेल, जो पटेल समाज राजिम क्षेत्र, रमई पाठ धाम समिति, लोहझर मंदिर समिति एवं शाला विकास समिति के संरक्षक हैं, के नेतृत्व में दर्जनों फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना समय की आवश्यकता है। वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए शुद्ध वायु, छाया और प्राकृतिक संसाधनों का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और स्वच्छ वातावरण बनाने का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही।

14 साल बाद भी घरों के ऊपर से नहीं हटी 11 केवी लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

नगर में वर्ष 2012 में जिले के प्रभारी मंत्री पून्नूराम मोहिले, सासंद चन्दू लाल साहू ने नगर सुराज कार्यक्रम में नगर के उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री मोहिले ने छुरा नगर के वार्ड 13,14,15 के मकानों के छत के उपर से 11 के व्ही विद्युत लाइन को मोहल्ले वासियों के मांग पर हटाने के लिए दस लाख रुपये स्वीकृति की घोषणा किया मंत्री जी के घोषणा पर उपस्थित जन समुहों ने तालियों की गडगडाहट से मंत्री जी की घोषणा का स्वागत किया। लेकिन मंत्री जी के घोषणा पर अमल आज तक नहीं हुआ, मंत्री जी ने घोषणा तो कर दिया लेकिन विद्युत विभाग गरियाबंद मोहल्ले वासी को डिमांड नोट तेरह साल में 24 बार भेज चुका है मंत्री जी की घोषणा को पूरा करने के लिए छुरा नगर के मोहल्लेवासी पैसा विद्युत विभाग गरियाबंद को भुगतान करें तब मंत्री जी की घोषणा पूरा होगा, मोहल्ले वासी जब जब मंत्री मुख्यमंत्री कलेक्टर गरियाबंद को स्मरण पत्र भेजते हैं तब तब बिजली विभाग गरियाबंद के अधिकारी डिमांड नोट भेजकर पैसा पटाने के लिए नोटिस थमा देते हैं। मंत्री जी की घोषणा पूरा करने के लिए जनता की जेब खाली होने के कारण समस्या का समाधान के लिए गरियाबंद कलेक्टर आफिस से बिजली विभाग, नगर पंचायत छुरा के बीच तेरह साल से कागजी कार्यवाही कछुआ गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद, विधायक तत्कालीन कलेक्टर दीपक अग्रवाल को पुनः स्मरण कराया गया है क्या घोषणा पर

वृक्ष हमारे जीवन का आधारः राजू

फिंगेश्वर। ग्राम पंचायत गुंडरदेही में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम गुंडरदीही में युवा साथियों के साथ मिलकर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राजू साहू एवं ग्रामीण युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।सभी ने पौधे लगाने के साथ–साथ उन्हें सुरक्षित रखने और नियमित देखरेख करने का संकल्प भी लिया। राजू साहू ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ वातावरण,शुद्ध हवा और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए।

जनदर्शन : सड़क, पानी, बिजली मामलों पर विधायक ने फोन पर अधिकारियों को दिए निर्देश

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही मुख्य लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम विधायक रोहित साहू द्वारा लगाया जाने वाला जनदर्शन कार्यक्रम में शुक्रवार को राजिम के राजपूत समाज सहित बड़ी संख्या में ग्राम -गाड़ाघाट, घटकर्रा, हथखोज,परतेवा,कोपरा तथा आस पास के बहुत सारे गांव के लोग अपनी समस्याओं, मांगों एवं विकास कार्यों से संबंधित विषयों को लेकर पहुंचे थे। जिसमें विशेष रूप से सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, किसान हितों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़ी समस्याओं से संबंधित मामला था। विधायक श्री साहू ने बहुत ही संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक लोगो से मिलकर उनके आवेदन और समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल दूरभाष पर त्वरित निराकरण के लिए आदेशित करते रहे। बता दें कि राजिम में विधायक कार्यालय इन दिनों जनअपेक्षाओं और जनविश्वास का एक तरह से बड़ा केंद्र बन गया है, जहां समस्याओं के समाधान की आशा लेकर पहुंचने वाले लोगों की भीड़ रोज जुटती है। कई ऐसे जटिल प्रकरण रहते है जिसकी समीक्षा की जाती है और उसे नियमानुसार करने आदेशित करते है। वहीं क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति, निर्माण कार्यों की प्रगति एवं नई योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी विधायक लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका प्रयास है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जनसुनवाई की यह व्यवस्था केवल समस्याएं सुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाधान तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है। इससे जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का सेतु मजबूत हुआ है तथा शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ा है।

जनसेवा समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीकः विधायक रोहित साहू ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना उनका कर्तव्य है। क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं के निराकरण और आम नागरिकों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राजिम विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को आयोजित होने वाली यह जनसुनवाई अब जनआकांक्षाओं, सुशासन और संवेदनशील जनप्रतिनिधित्व की एक सशक्त मिसाल बनती जा रही है, जहां समस्याओं के साथ पहुंचने वाले लोग समाधान की उम्मीद और विश्वास लेकर वापस लौट रहे हैं।

इंद्रजीत महाडिक ने लोहरसी में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक-3 इंद्रजीत महाडिक ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संतुलन मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है, जिसके दुष्परिणाम आज पूरी दुनिया भुगत रही है। इंद्रजीत महाडिक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए तथ जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आगे आकर पर्यावरण जागरूकता अभियान में भाग लेने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ न केवल ऑक्सीजन प्रदान करता है बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल संरक्षण करने तथा स्वच्छता को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा ही मानवता की रक्षा है। सामूहिक प्रयासों से ही हम एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने लोहरसी के सोसायटी पर पिछले वर्ष लगाए पेड़ पर खाद डाला हुआ पानी डाला और साथ ही अन्य नए पेड़ लगाए इस दौरान लिखन साहू, युगल पटेल चंद्रशेखर साहू मोहन ढ़ीढ़ी, कमल ठाकुर नंद गोपाल ठाकुर, दुखुरम यादव संजू निर्मलकर मनीष साहू सहित आसपास के अन्य और किसान मौजूद रहे।

खड़मा में स्वच्छता-नशामुक्ति का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुड़ागांव (कोरासी)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार, 5 जून को ग्राम पंचायत खड़मा में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं नशामुक्ति को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच जग बाई ध्रुव, सचिव भगवानी ध्रुव, उप सरपंच रेखचंद साहू सहित समस्त पंचगणों ने गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग एकत्रित करने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि सूखे कचरे को नीले रंग के डस्टबिन तथा गीले कचरे को हरे रंग के डस्टबिन में डालना चाहिए। साथ ही घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा कूड़े-कचरे का उचित प्रबंधन करने की अपील की गई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने नशामुक्त भारत अभियान को सफल बनाने का भी संकल्प लिया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों में नशापान के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने, नशा पीड़ित व्यक्तियों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने तथा स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार के निर्माण में योगदान देने का प्रण लिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और नशामुक्ति जैसे अभियान समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। सभी ने मिलकर अपने गांव, प्रदेश एवं देश को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिए।

ईरान से आने वाला मामरा बादाम चार हजार के पार, पिस्ता के दाम पहुंचे 32 सौ किलो

ड्राई फ्रूट्स बाजार में जंग की कड़वाहट दाम में 30 फीसदी तक गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका की जंग चल रही है। ऐसे में ड्राई फ्रूट्स के दाम में भी भारी गर्मी आ गई है। आवक कम होने से दाम 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। दाम ज्यादा होने के कारण डिमांड भी कम हो गई है। ईरान से आने वाला बड़ी साइज का मामरा बादाम थोक में चार हजार के पार हो गया है। अन्य बादाम के दाम 26 सौ से 3000 हजार रुपए हैं। इसी तरह से ईरानी पिस्ता के दाम तीन हजार के पार हो गए हैं। कुल मिलाकर ड्राई फ्रूट्स बाजार में जंग की कड़वाहट घुल गई है। कारोबारियों का कहना है कि दिल्ली सहित देश के बड़े बाजारों में जो स्टॉक था, वह अब समाप्त हो गया है। जब तक स्टॉक था, तब तक ज्यादा असर नहीं था, लेकिन अब कीमत में भी आग लग गई है। अब तो आवक भी कम हो गई है। दूसरे देशों से घूमकर आने के कारण दाम ज्यादा हो गए है। वैसे इस समय त्योहारी सीजन न होने के कारण डिमांड उतनी ज्यादा नहीं है, लेकिन ड्राई फ्रूट्स की मांग सालभर रहती है।

काजू-किशमिश के दाम ज्यादा

इस समय प्रदेश में काजू और किशमिश के दाम ज्यादा है। थोक कारोबारियों के मुताबिक बीते साल अंगूर की फसल कम होने के कारण ही किशमिश के दाम डबल हो गए थे, जो अब तक चल रहे हैं। जो किशमिश पहले थोक में 225 से 250 रुपए तक थी, वो अब थोक 430 रुपए हो गई है। चिल्हर में यह छह सौ रुपए बिक रही है। हरी किशमिश के दाम में भी दो सौ रुपए का इजाफा हो गया है। यह पांच सौ से बढ़कर सात सौ रुपए हो गई है। चिल्हर में यह 800 सौ बिक रही है। इसी तरह से काजू के बीजों की कमी के कारण काजू के दाम भी बढ़ गए हैं। इस समय काजू थोक में 700 रुपए से 17 सौ रुपए तक है। चिल्हर में इसके दाम 800 से 2000 रुपए तक हैं।

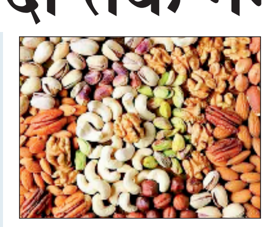

अंजीर के दाम कम

इस समय अंजीर के दाम बहुत कम हैं। इसका कारण यह है कि इसकी फसल बहुत ज्यादा हो गई है। ऐसे में पहले जो 24 सौ रुपए किलो मिलती थी, वह इस समय 16 सौ रुपए में मिल रही है। इसी तरह से 16 सौ रुपए वाली अंजीर आठ से नौ सौ रुपए किलो बिक रही है। मुनक्का के दाम इस समय 600 से 800 रुपए किलो हैं। ईरानी पिस्ता की कीमत तीन हजार के पार हो गई है। यह पहले 28 सौ रुपए किलो था, जो अब 32 सौ रुपए किलो हो गया है। अन्य पिस्ता 23 से 25 सौ रुपए थोक में और चिल्हर में इसके दाम 25 से 27 सौ रुपए हैं।

मामरा बादाम चार हजार के पार

जहां ईरान से मामरा बादाम आता है, वहीं अफगानिस्तान से अंजीर और मुनक्का आता है। सबसे अच्छी क्वालिटी के मामरा बादाम के दाम अब थोक में चार हजार के पार हो गए हैं। इसके दाम पहले 35 सौ रुपए के करीब थे, लेकिन अब बढ़कर दाम 42 सौ रुपए हो गए हैं। चिल्हर में इसके दाम साढ़े चार हजार रुपए हैं। इसके अलावा ईरान से आने वाला कुछ कम साइज वाला मामरा बादाम 26 सौ से तीन हजार हो गया है। यह पहले 22 से 26 सौ रुपए था। अफगानिस्तान के बादाम का दाम 18 सौ से 26 सौ रुपए है। जहां तक सामान्य बादाम की बात है तो इसके दाम 800 से 12

अंचल में अचानक मोबाइल फोन पर गूंजा इमरजेंसी अलर्ट

Presidential Alert

अगले 3 घंटों में बस्तर और गरियाबंद के कुछ इलाकों में बारिश और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटा) के साथ भीषण आंधी आने की संभावना है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

मैनपुर। शुक्रवार को उस समय कई लोगों दहशत मे आ गये जब अचानक उनके मोबाइल फोन तेज आवाज के साथ बज उठे तहसील मुख्यालय मैनपुर समेत आसपास के इलाकों में जियो नेटवर्क का उपयोग कर रहे। लोगों के मोबाइल स्क्रीन पर एक इमरजेंसी अलर्ट मैसेज दिखाई दिया अत्यंत गंभीर चेतावनी लिखे इस संदेश को देखकर कई लोग पहले तो घबरा गए और समझ नहीं पाए कि आखिर उनके फोन में क्या हो रहा है। अचानक आए इस अलर्ट ने कुछ देर के लिए लोगों में कौतूहल और चिंता दोनों बढ़ा दी कई लोगों ने एक–दूसरे को फोन कर जानकारी ली, जबकि सोशल मीडिया पर भी इस अलर्ट की चर्चा शुरू हो गई हालांकि जब लोगों ने पूरा संदेश पढ़ा तो स्थिति साफ हो गई।

अलर्ट में बताया गया था कि अगले तीन घंटों के भीतर बस्तर और गरियाबंद जिले के कुछ क्षेत्रें में तेज आंधी–तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई थी। मौसम विभाग की ओर से भेजे गए इस इमरजेंसी अलर्ट का उद्देश्य लोगों को समय रहते सतर्क करना था, ताकि खराब मौसम के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से बचें तथा आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें अचानक बजी चेतावनी की आवाज ने भले ही लोगों को कुछ पल के लिए डरा दिया हो, लेकिन यह अलर्ट संभावित खतरे से पहले लोगों को सचेत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बाजार में भारी डिमांड, सीमित उत्पादन वाले खेतों से हो रही बंपर कमाई

सिंघाड़ा की खेती कर आत्मनिर्भर बन रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

कृषि क्षेत्र में बदलती सोच और नवाचार के साथ श्यामनगर एवं सिधौरी के किसान सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। परंपरागत फसलों के साथ अब किसान अपने खेतों में सिंघाड़ा की खेती कर बेहतर आमदनी अर्जित कर रहे हैं। सिंघाड़ा उत्पादन ने किसानों के लिए आय का नया स्रोत खोल दिया है, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं। क्षेत्र के किसानों ने खेतों में पानी की उपलब्धता का सदुपयोग करते हुए सिंघाड़ा की खेती को अपनाया है। मेहनत, आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचार के बल पर किसान अच्छी पैदावार प्राप्त कर रहे हैं। बाजार में सिंघाड़ा की मांग होने के कारण किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी मिल रहा है, जिससे खेती लाभकारी सिद्ध हो रही है। किसानों का कहना है कि पहले जिन खेतों में सीमित उत्पादन होता था, आज उन्हीं खेतों में सिंघाड़ा की खेती से बेहतर आय प्राप्त हो रही है। इससे खेती के प्रति युवाओं का रुझान भी बढ़ रहा है तथा किसान नई-नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

सिंघाड़ा की खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। उत्पादन, तुड़ाई और विपणन के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जलयुक्त खेतों में सिंघाड़ा की खेती किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। श्यामनगर और सिधौरी के किसानों की यह पहल दर्शाती है कि यदि किसान परंपरागत खेती के साथ नवाचार को अपनाएं तो खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। खेतों में लहलहाती सिंघाड़ा की फसल आज क्षेत्र में परिश्रम, नवाचार और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बन गई है तथा अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हो रही है।

हरियर छग हमारी पहचान, संवर्धन हमारी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विश्व पर्यावरण दिवस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध वन संपदा, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के कारण देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य सरकार प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को विकास की मूल धुरी मानकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए अनेक अभिनव पहलें की जा रही हैं। पिछले दो वर्षों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से करोड़ों पौधों का रोपण किया गया है। इससे जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

एक एकड़ से कम जमीन वाले किसान नहीं: तेजराम

राजिम। भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ के महासचिव तेजराम विद्रोही ने कहा कि सरकार की

खाद वितरण की विसंगतिपूर्ण नीति के कारण किसान खाद लेने से वंचित हो रहे हैं जिससे किसानों को खरीफ सीजन में खेती कर फसल उत्पादन कर पाना आसान नहीं हैं। एक एकड़ और दो एकड़ जमीन वाले किसानों को एक ही बोरी डीएपी या एनपीके खाद दिया जा रहा है और एक एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को डीएपी नहीं मिल रही है ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक एकड़ से कम जमीन वाले किसान, किसान नहीं है? श्री विद्रोही ने कहा कि केन्द्र सरकार की अतिरिक्त उर्वरक सचिव के द्वारा कहा गया है कि खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उर्वरक है और किसानों को इसकी कमी नहीं होगी परन्तु छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को खाद वितरण करने के लिए 80% यूरिया और 60% डीएपी प्रति एकड़ वितरण किये जाने का अनुपात तय किया गया है जिसके तहत एक एकड़ और दो के किसानों को एक -एक बोरी डीएपी या एनपीके दिया जा रहा है जबकि आधा एकड़ अथवा एक एकड़ से कम रकबा वाले किसानों को डीएपी नहीं दिया जा रहा है।

भाजपा राज में मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही जनता

नवापारा-राजिम। गुरूवार को नगर पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी के

बयान को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नगर पालिका के पूर्व सभापति रमेश तिवारी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में लोग मुलभुत सुविधाओं को तरस रहे है। गरीब जनता को सुविधा नही दे पा रही है। दोनो कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पिछले वर्ष सुशासन में आए आवेदन पर कितना समाधान हुआ? वृद्धावस्था पेंशन नही मिल पा रहा है। किसानो को खाद नही मिल रहा। विकास कार्य ढप्प है। यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी जनहित में आगे भी लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रखेगी। कहा कि प्रशासन से जनहित के मुद्दों पर शीघ्र एवं सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा है।

छत्तीसगढ का विशाल हल्दू वृक्ष उदंती अभ्यारण्य की शान

मैनपुर। गरियाबंद जिले उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व अन्तर्गत जंगल में छत्तीसगढ का विशालतम हल्दू वृक्ष पिछले लगभग 150 वर्ष से ज्यादा समय से उंदती अभ्यारण्य का शान बना हुआ है और वन विभाग द्वारा इस हल्दू वृक्ष के चारों तरफ बकायदा चबुतरा निर्माण सुरक्षित किया गया है। उदंती अभ्यारण्य में जब कोई वन विभाग के बडे अफसर या बडे जनप्रतिनिधि पहुंचते हैं, तो इस हल्दू वृक्ष को देखने जरूरत जाते है, ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ जो अपने 44 प्रतिशत जंगलों के लिए जाना जाता है, यहां कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो सबसे पुराने और विशालकाय हैं, आज जहां एक ओर जंगल तेजी से काटे जा रहे हैं ऐसे में कुछ ऐसे वृक्ष भी हैं जो आज भी वर्षों से शान से खडे हैं। उदहारण के लिए उदन्ती सीतानदी टाइगर रिजर्व के कोर एरिया उत्तर उदन्ती में स्थित यह सबसे पुराना हल्दू का पेड, बताया जाता है। गरियाबंद से देवभोग वाले सड़क पर जब आप जुगाड गांव पहुंचते ही उदन्ती के अन्दर जाने वाले गेट के समीप ही है।

दिवस : पिपरछेड़ी में विकास कार्यों की सौगात: 35 लाख के कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

आज पौधा लगेगा तभी आगामी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित: रोहित

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छुरा ब्लॉक के ग्राम पिपरछेड़ी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा गांव में सामुदायिक भवन का लोकार्पण तथा उपस्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन कार्यक्रम भी रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा के विधायक रोहित साहू, पूर्व सांसद व राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर, जिल पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी, भाजपा जिला महामंत्री आशीष शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों ने ग्रामवासियों की उपस्थिति में शीलता माता मंदिर प्रांगण में अनेक फलदार और छायादार पौधे रोपकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही गांव में 28.51 लाख रुपए की लागत से बनने वाले उपस्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन और 6.50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर ग्रामवासियों को बड़ी सौगात दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने अपने उद्बोधन में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने हैं और केवल पेड़ लगाने के साथ ही उन्हें जीवित रखना और बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है। आइए इस पर्यावरण दिवस पर हम संकल्प लें कि अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित करें। आज पौधा लगेगा तभी हमारी आगामी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित होगा।

अकेले ग्राम पिपरछेड़ी में 150 से अधिक आवासों की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने महतारी वंदन योजना, 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी और किसानों को दिए गए दो साल के बकाया बोनस का विशेष उल्लेख किया और कहा कि आज हर एक वादा धरातल पर पूरा हो रहा है। विकास की यह धारा रुकने वाली नहीं है। मैं आप सभी ग्रामीणों से अपील करता हूं कि सरकार की इन योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने ग्रामवासियों की मांग पर विधायक रोहित साहू ने गांव में एक नई सीसी रोड और एक टीन शेड निर्माण की घोषणा की।

जनता की खुशहाली ही विकास का असली पैमाना: चंदूलाल

राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू ने कहा कि क्षेत्रीय विकास सड़कों और भवनों तक सीमित नहीं होता। विकास का पैमाना जनता की खुशहाली और उनके बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा होता है जो हमारी सरकार पूरा कर रही है। हमारे कार्यकाल में हमने इस अंचल को सड़क, शिक्षा और सिंचाई की मुख्यधारा से जोड़ने का भगीरथ प्रयास किया था। आज जब देश जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रहा है तब पर्यावरण का संरक्षण हमारा पहला धर्म होना चाहिए।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा करके ही हम जनजीवन को समृद्ध बना सकते हैं। आज जो उपस्वास्थ्य केंद्र की सौगात मिली है वह क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करेगी। अपने उद्बोधन में पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी विकास कार्यों का ब्योरा दिया और क्षेत्र की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पिपरछेड़ी और छुरा अंचल का विकास हमेशा से भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है।

इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रीतम सिन्हा, भाजपा जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके,जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर, जनपद सदस्य पुष्पलता सिन्हा, प्रेरक समाजसेवी संस्था के संचालक रामगुलाम सिन्हा, सरपंच नीरा बिसहत ध्रुव, उपसरपंच छबिराम ध्रुव, पूर्व उपसरपंच गोविंद राम यादव, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कोमल ढीढी, भाजपा मंडल महामंत्री खड़मा पालेंद्र साहू, भाजपा मंडल महामंत्री फिंगेश्वर प्रेमलाल टोडर, प्रकाश सिन्हा, गुलशन सिन्हा, वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी, शिक्षकगण व बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। उपस्वास्थ्य केंद्र के भूमिपूजन, सामुदायिक भवन के लोकार्पण और विधायक द्वारा की गई घोषणाओं से पिपरछेड़ी के ग्रामीणों में भारी उत्साह का माहौल है।

पर्यावरण संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी: ओमकुमारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर में कार्यक्रम, आईसेक्ट में किया गया पौधारोपण

नवापारा-राजिम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर में बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां के प्रतिष्ठित संस्थान आईसेक्ट में नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी साहू, विधायक प्रतिनिधि संजय साहू, प्रदेश महिला मोर्चा सदस्य योगिता सिन्हा, आईसेक्ट निदेशक बलराम देवांगन ने मुख्य सदर मार्ग में गुलमोहर का पौधा लगाया। सुभाष चौक स्थित संस्थान आईसेक्ट में दस फीट गुलमोहर का पौधा रोपित किया गया। निदेशक बलराम देवांगन अपने संस्थान में 500 से अधिक पौधे लगाकर रखे है। जिससे अन्य स्थानों की तुलना में संस्थान का तापमान दो से तीन डिग्री कम रहता है। नपा अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ने आईसेक्ट निदेशक के पर्यावरण संरक्षण की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाई जा सकती है। नगर को हरा भरा बनाने के लिए हमे खुले स्थानों में पौधे लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। जिससे नगर में हरियाली बनी रहे। प्रदेश महिला भाजपा कार्यकारिणी सदस्य योगिता सिन्हा ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से अनुरोध करते हुवे कहा कि अपने घरों के गमलों एवं खाली स्थानों में पौधे लगाकर पर्यावरण असंतुलन पर काबू पाया जा सकता है। तालाबो एवं नदी के किनारे अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने की आवश्यकता है। वृक्षारोपण में गोलू यादव, साखी निर्मलकर, भुनेश्वरी साहू, खिलेश्वरी साहू, लेखिका साहू, टीकम साहू एवं सैकड़ों की संख्या में आईसेक्ट के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर वन विभाग की उदासीनता

राजिम में सरकारी अभियान नदारद

राजिम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश भर में जगह-जगह पौधारोपण, हरियाली बचाने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर पालिकाओं, सामाजिक संगठनों, स्कूलों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर पौधे लगाए और लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, लेकिन इस पूरे अभियान के बीच सबसे बड़ी जिम्मेदारी जिस विभाग के कंधों पर है, वही विभाग इस बार पूरी तरह से नदारद नजर आया। हरियाली लाने, जंगलों को बचाने और पौधारोपण को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी वन विभाग की मानी जाती है। इसके बावजूद पर्यावरण दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर वन विभाग की सक्रियता कहीं दिखाई नहीं दी। शहर में वन विभाग का अनुभागस्तरीय कार्यालय होने के बाद भी न तो किसी प्रकार का सार्वजनिक पौधारोपण अभियान चलाया गया और न ही अधिकारियों द्वारा लोगों को प्रेरित करने की कोई पहल नजर आई। लोगों का कहना है कि जब पूरा प्रदेश पर्यावरण दिवस मना रहा था, तब वन विभाग के अधिकारी केवल औपचारिकता तक सीमित रहे। शहर में कहीं भी विभागीय स्तर पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण की व्यवस्था नहीं की गई। न कोई जनजागरूकता रैली निकाली गई और न ही स्कूल-कॉलेजों या सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर हरियाली बढ़ाने का अभियान चलाया गया। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि जिस विभाग को पर्यावरण संरक्षण का मुख्य प्रहरी माना जाता है, उसी विभाग की उदासीनता कई सवाल खड़े कर रही है। लोगों का मानना है कि यदि वन विभाग खुद आगे आकर लोगों को प्रेरित नहीं करेगा तो हरियाली अभियान केवल कागजी कार्यक्रम बनकर रह जाएगा। पर्यावरण प्रेमी जितेंद्र सोनकर का कहना है कि बढ़ती गर्मी, कटते पेड़ और लगातार बिगड़ते पर्यावरण के बीच वन विभाग को और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए थी। खासकर ऐसे समय में जब पूरा प्रदेश भीषण गर्मी से जूझ रहा है और मानसून आने वाला है, तब बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाकर लोगों को जोड़ना जरूरी था। अब शहरवासियों की नजर आने वाले दिनों पर टिकी हुई है कि वन विभाग मानसून सीजन में कोई विशेष हरियाली अभियान चलाता है या फिर पर्यावरण दिवस की तरह इस बार भी केवल औपचारिकताएं ही निभाई जाएंगी। मालूम हो कि जिस तरह गरियाबंद एसपी ने पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपकर पूरे जिले को न केवल संदेश दिया बल्कि लोंगो को प्रेरित भी किया वही दूसरी ओर वन विभाग का नकारात्मक और गैर जिम्मेदाराना रवैया के प्रति आम लोंगो में नाराजगी का वातावरण देखा गया।

शिव शक्ति मंदिर और वन प्रबंधन समिति ने मिलकर रोपे पौधे

छुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर ग्राम मोंगरा के सड़क पारा स्थित नया तालाब के मेड़ पार में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वन परिक्षेत्र अधिकारी लवकुश पांडेय के कुशल मार्गदर्शन में शिव शक्ति मंदिर समिति एवं वन प्रबंधन समिति मोंगरा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों ने न केवल पौधे लगाए, बल्कि उनकी पूर्ण रूप से देखरेख करने का भी कड़ा संकल्प लिया। शिव शक्ति मंदिर समिति और वन प्रबंधन समिति ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए आने वाले समय में क्षेत्र में हजारों पौधे लगाने का सामूहिक संकल्प लिया है, ताकि क्षेत्र को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके। इस गरिमामयी कार्यक्रम को सफल बनाने में दोनों समितियों के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान रामचंद्र नायक अध्यक्ष, वन प्रबंधन समिति मोंगरा, रूप सिंह नायक अध्यक्ष, शिव शक्ति मंदिर समिति, पिलम राम नेताम

उपाध्यक्ष, शिव शक्ति मंदिर समिति, लखन लाल चक्रधारी सचिव, शिव शक्ति मंदिर समिति, हरिश्चन्द्र मरकाम कोषाध्यक्ष, शिव शक्ति मंदिर समितिसदस्यों और ग्रामीणों ने की सहभागिता पर्यावरण संरक्षण के इस महाअभियान में शिव शक्ति मंदिर समिति के सदस्यगणों की भूमिका भी सराहनीय रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चन्द्रशेखर साहू, भुनेश्वर ठाकुर, भूषणभोय, वागेश साहू, होमसागर, रामसंग नायक, घनश्याम नायक, भागीरथी नायक, डोमार नेताम, बरातू राम नायक, द्वारका नायक, बसंत नेताम और विजय कुमार नायक सहित भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे और सभी ने प्रकृति को बचाने का संकल्प दोहराया।

जल, जंगल, जमीन-वन्यप्राणियों को बचाएं: लोकेश्वरी

***मैनपुर।** जल जंगल और जमीन हमारे जीवन अजीविका और संस्कृति का मुख्य आधार है वनों और जल स्त्रोतों के संरक्षण के बाद अब क्षेत्र के लोगों को अपनी उपजाउ जमीन की सुरक्षा के लिए आगे आने का समय आ गया है। उक्त बाते आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग मैनपुर द्वारा नवमुड़ा मे आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम ने कही। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा अर्चना और एक पेड़ मां के नाम लगाया गया इस दौरान जनपद सदस्य कुमारी बाई पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अमृत नागेश, जाड़ापदर सरपंच उपासीन नागेश, डोमार पटेल, उप वनमंडलाधिकारी मनोज चंद्राकर, वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेन्द्र कुमार साहू, छबिलाल ध्रुव एवं क्षेत्र के वरिष्ठजन बड़ी संख्या मे उपस्थित थे। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य श्रीमति लोके"वरी नेताम ने कहा पौधा रोपण सिर्फ दिखाने के लिए नही बल्कि पौधा रोपण करने के बाद उसकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी क्योकि हर साल बड़ी संख्या मे पौधा रोपण कार्यक्रम तो किया जाता है लेकिन पौधे गायब हो जाते है देखरेख करने वाले नहीं होते इसलिए आज पौधा लगाने के बाद उसकी सुरक्षा के लिए संकल्प लेने की जरूरत है।*

नेशनल हाईवे निर्माण कार्य का विधायक ने किया औचक निरीक्षण

गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं: रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

राजिम विधायक रोहित साहू ने गुरुवार को नगर क्षेत्र में चल रहे नेशनल हाईवे-130 सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक साहू ने नेशनल हाईवे के एसडीओ और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से चर्चा कर कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए तथा निर्माण की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्माण कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान विधायक ने भुतेश्वरनाथ चौक के समीप चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाली निर्माण के साथ पाइपलाइन से संबंधित कार्य भी शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान विधायक ने सड़क किनारे स्थित व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

ये रहे शामिल

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, आशीष शर्मा, सागर मयाणी, अजय रोहरा, राधेश्याम सोनवानी, अमित बखरिया, सुमित पारख, पार्षद विष्णु मरकाम, रेणुका साहू, बिंदु सिन्हा, मधु देवांगन, खेम सिंह बघेल, पुष्पा साहू, सूरज सिन्हा, प्रतीक तिवारी, प्रतीक सिंह, प्रकाश सोनी सहित नगर पालिका के पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ब्रह्मदत्त शर्मा के कविता का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर डॉक्टर राजेन्द्र गदिया द्वारा पंडित ब्रह्मदत्त शर्मा द्वारा रचित कविता का विमोचन किया गया। डॉक्टर गदिया साइकिल चलाते हुए चौक तक पहुंचे। बच्चों को साइकिल की छोटी-छोटी प्रतिकृति भेंट की, विप्र समाज के आर बी शर्मा एवं पं श्यामशंकर ने कहा कि हमारी धरती मां के ऊपर ऊर्जा संकट चरम पर है। मंहगाई मार रही है, ऐसे में यह कविता एक समाधान बनकर आई है। कहा कि समाज में अपनी संवेदन शीलता प्रकट करने का पोस्टर कविता एक सशक्त माध्यम है। ऋषभचंद्र बोथरा ,स्वरूपचंद टाटिया, अशोक गंगवाल ने ब्रह्मदत्त शर्मा के साहित्यिक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर सुनील बोथरा, अशोक गोलछा, प्रदीप बोथरा, रमेश पहाड़िया, रमेश चौधरी, प्रफुल्ल बोथरा, तुकाराम कंसारी ,प्रेम साधवानी मौजूद थे।